



किसान संकट सूचकांक

प्रलिस के लयः

कसलन संकट सूचकांक, [ICAR](#), [PMFBY](#), [PMKSY](#), e-NAM

मेन्स के लयः

कसलन संकट सूचकांक

चरुा में कुयों?

भारतीय कृषल अनुसंधान परषलद (ICAR) के तहत आने वाली संसुथा केंद्रीय शुषुक भूमकृषल अनुसंधान संसुथान (CRIDA) भारत के लयः अपने तरह के पहले "कसलन संकट सूचकांक" नामक एक प्रारंभकल चेतावनी प्रणाली वकलसतल कर रहा है ।

कसलन संकट सूचकांक/फारुमरुस डसलटुरेस इंडेकुसः

परचलः

- यह सूचकांक कृषल संबंधी संकट का अनुमान लगाने और नमलन सुतर से लेकर गाँव अथवा ब्लुक सुतर तक कसलसी भी प्रकार के संकट प्रसार कु रोकने का प्रयास करता है ।
- इसकी सहायता से केंदुर सरकार, राज्य सरकारों, स्थानीय नकलयों और गैर-सरकारी एजेंसलयों जैसी वभलनलन संसुथाओं कु कसलनों के आसनन संकट के बारे में प्रारंभकल चेतावनी प्राप्त हु सकेगी ताकल सकुरयल हसुतकुषेप कयल जा सके और आवश्यक कदम उठायल जा सके ।

उददेशुः

- इस सूचकांक का लकुषुय फसल हानल/वफलता तथा आय की हानल के रूप में कृषल संकट कु कम करना है ।
 - हाल के वर्षों में कसलनों कु आघात का सामना करना पड़ा है । चरुम जलवायु घटनाओं के साथ-साथ बाजार में उतार-चढ़ाव और फसल मूल्य में वृद्धल हुई है जसलसे अनेक बार कसलनों कु आत्महत्या के लयः ववलश हुना पड़ा है ।

संकट की नगलरानी के लयः पद्धतलः इस सूचकांक के वकलस में अनेक चरण शामिल हैं ।

- कसलनों के संकट के उदाहरणों की पहचान करने के लयः स्थानीय समाचार पत्रों, समाचार प्लेटफारुमों और सोशल मीडयल की पड़ताल की जाती है जसलमें ःरुण चुकाने के मुददे, आत्महत्याएँ, कीट का हमला, सूखा, बाढ़ और प्रवासन शामिल हैं ।
- फरल इस जानकारी कु कुषेतर के कुुटे, सीमांत और पटुदेवार कसलनों के साथ टेलीफोनकल साकुषातुकारों दवारल पूरण कयल जाता है ।
- इन साकुषातुकारों में संकट के शुरुआती लकुषणों का पता लगाने के लयः डजलइन कयल गए 21 मानकीकृत प्रश्न शामिल हैं ।
- प्रतकुुरयलओं कु सात संकेतकुु के वरलदुध मैप कयल जाता है,
 - कुखमलें का खुलासा
 - ःरुण
 - अनुकुली कुषमता
 - भूर्मा अधगलरुहण
 - सचलई सुवधलएँ
 - शमन रणनीतलयें
 - ततुकाल प्रतकुुरयल
 - सामाजकल-मनोवैजुजानकल कारक

सूचकांक की वयाखुया

- एकतर कयल गए डेटा और प्रतकुुरयलओं के आधार पर सूचकांक संकट के सुतर कु इंगतल करने के लयः 0 और 1 के बीच एक मान नरलदषलट करेगा ।
 - 0 से 0.5: कम संकट
 - 0.5 से 0.7: मध्यम संकट
 - 0.7 से ऊपर: गंभीर संकट

- यदि संकट का स्तर गंभीर है, तो सूचकांक सात संकेतकों में सेकसिनों के संकट में सबसे अधिक योगदान देने वाले वशिष्ट घटक की पहचान करता है।

■ महत्त्व:

- वभिन्न एजेंसियाँ संकट की गंभीरता के आधार पर किसानों को आय की हानि से बचाने के लिये हस्तक्षेप कर सकती हैं।
- वर्तमान के जिन समाधानों पर विचार किया जा रहा है उनमें प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण, फसल खराब होने की स्थिति में सरकार की फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावों को मध्यावधि में जारी करना आदि शामिल हैं।
- उदाहरणतः **PMFBY (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना)** के अंतर्गत बीमा दावे केवल तभी दिये जाते हैं जब सर्वेक्षण पूरा हो जाता है, लेकिन इस मामले में यदि सूचकांक आने वाले कुछ सप्ताह में गंभीर संकट का सुझाव देता है, तो सरकार इस योजना के अंतर्गत अंतरिम राहत प्रदान कर सकती है।

कृषकों के संकट को कम करने के लिये सरकारी पहल:

- [प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना \(PMFBY\)](#)
- [प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना \(PMKSY\)](#)
- [इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार \(e-NAM\)](#)
- [मृदा स्वास्थ्य कार्ड](#)
- [नीम-लेपति यूरिया](#)
- वर्ष 2022 के [बजट में कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के लिये वभिन्न कदम](#) उठाए गए।
- [रायथू बंधु योजना \(तेलंगाना\)](#)
- [आजीविका और आय संवर्द्धन के लिये कृषक सहायता \(कालिया\) योजना \(ओडिशा\)](#)

नष्िकर्ष:

सूचकांक के कार्यान्वयन में कृषकों की आय में उतार-चढ़ाव को कम करने और कृषक समुदाय के कल्याण में योगदान करने की क्षमता है।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/farmers-distress-index>

